चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29.2.24	4	1-4

एचएयू को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मॉड्यूल के लिए मिले कॉपीराइट : कुलपति

प्रो. कांबोज बोले-मॉड्यूल सांविधानिक अनुसंधान के व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए महत्वपूर्ण रहेगा

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। सांख्यिकीय डाटा के लिए तैयार ऑनलाइन मॉड्यूल नवाचार को बढ़ावा व वैश्विक शोध कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डाटा विश्लेषण के मॉड्यूल शोधार्थियों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम बनाएंगे।

सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए निर्मित ऑनलाइन मॉड्यूल का प्रयोग दुनिया भर में अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के लिए किया जा सकता है, जो वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए अत्याधिक लाभदायक होगा। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहे। उन्होंने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार करने पर चार कॉपीराइट प्रदान किए गए हैं। ये मॉड्यूल संवैधानिक अनुसंधान के व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए प्रजनन

एचएयू में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के साथ वैज्ञानिक। स्रोत : संस्थान

कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल गणित और सांख्यिकी विभाग के डॉ. ओपी श्योराण व डॉ. विनय कुमार अहलावत ने विकसित किए, जोकि अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के क्षेत्र में यह मॉड्यूल महत्वपूर्ण योगदान देंगे। गणित एवं सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओपी श्योराण ने सांख्यिकीय डाटा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह मॉड्यूल क्लाइंट-सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है, जो एक्टिव सर्वर पेज एएसपी और पायथन का उपयोग करके विकसित किए गए है। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएंगे जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विश्लेषण के लिए उपयोग किया जाता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, कपिल अरोड़ा, डॉ. अजय मौजूद रहे।

शिविर में योग्यता कौशल के महत्व को रेखांकित किया

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के एप्टीट्यूड क्लब की ओर से प्री-फाइनल वर्ष के बीटेक विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय एप्टीट्यूड ट्रेनिंग कार्यक्रम (एटीपी) शुरू किया गया। विवि के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विद्यार्थियों से कॉर्पोरेट जगत में टिके रहने और विकसित भारत-2047 के निर्माण में एक प्रभावी साधन बनने के लिए प्रतिदिन नई चीजें सीखते रहने को कहा।

कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने बताया कि कार्यक्रम में बीटेक के 478 से अधिक विद्यार्थी चार बैचों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस मौके पर मुख्य अतिथि डीन एफईटी प्रो. संदीप आर्य, सीएसई विभाग के अध्यक्ष प्रो. ओपी सांगवान, प्रो. विशाल गुलाटी व प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार आदि मौजूद रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	29.2.24	2	2-6

सांख्यिकी डाटा विश्लेषण के लिए हकृवि के ऑनलाइन मॉड्यूल को मिले 4 कॉपीराइट

ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएंगे : डॉ. श्योराण

हिसार, 28 फरवरी (ब्यूरो): सांख्यिकीय डाटा के लिए तैयार ऑनलाइन मॉड्यूल नवाचार को बढ़ावा व वैश्विक शोध कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डाटा विश्लेषण के मॉड्यूल शोधार्थियों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम बनाएंगे। सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए निर्मित ऑनलाइन मॉड्यूल का प्रयोग दुनिया भर में अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के लिए किया जा सकता है, जो वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए अत्याधिक लाभदायक साबित होगा।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। उन्होंने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार करने पर चार कॉपीराइट प्रदान किए गए है। ये मॉड्यूल संवैधानिक अनुसंधान के व्यवहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए प्रजनन कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस उपलब्धि पर शामिल वैज्ञानिकों को बधाई दी। ऑनलाइन सांख्यिकीय विश्लेषण प्रौद्योगिकी कैं क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित करने के लिए गणित और सांख्यिकी विभाग की सराहना की।

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल गणित और सांख्यिकी विभाग के डॉ. ओ.पी. श्योराण व डॉ. विनय कुमार अहलावत ने विकसित किए, जोकि अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के क्षेत्र में यह मॉड्यूल महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी श्योराण ने सांख्यिकीय डाटा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह मॉड्यूल क्लाइंट-सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है, जो एक्टिव सर्वर पेज एएसपी और पायथन का उपयोग करके विकसित किए गए है। उन्होंने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल न केवल एक तकनीकी उपलब्धि, बल्कि वैश्विक अनुसंधान समुदाय के लिए एक व्यावहारिक उपकरण भी है। इसमें लैटिस डिजाइन का विश्लेषण, बैक क्रॉस के साथ इनब्रेड लाइन्स डेटा के लिए ट्रिपल टैस्ट क्रॉस का विश्लेषण व असममित लैटिस डिजाइन का विश्लेषण शामिल है। ये उन परिदृश्यों में विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं, जहां संसाधन सीमित होते हैं और बड़ी संख्या में जीनोटाइप का परीक्षण किया गया है। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जांएगे जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विशलेषण के लिए उपयोग किया जाता है। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. मंजू महता, डॉ. संदीप आर्य, कपिल अरोड़ा व डॉ. अजय जांगड़ा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29.2.24	5	1-4

सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण के ऑनलाइन मोड्यूल का शोध कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 28 फरवरी (विरेंद्र वर्मा): सांख्यिकीय डाटा के लिए तैयार ऑनलाइन मॉड्यूल नवाचार को बढ़ावा व वैश्विक शोध कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डाटा विश्लेषण के मॉड्यूल शोधार्थियों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम बनाएंगे। सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए निर्मित ऑनलाइन मॉड्यूल का प्रयोग दुनिया भर में अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के लिए किया जा सकता है, जो वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए अत्याधिक लाभदायक साबित होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। उन्होंने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार करने पर चार कॉपीराइट प्रदान किए गए है। ये मॉड्यूल संवैधानिक अनुसंधान के व्यवहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए प्रजनन कार्यक्रमों

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस उपलब्धि पर शामिल वैज्ञानिकों को बधाई दी। ऑनलाइन सांख्यिकीय विश्लेषण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित करने के लिए गणित और सांख्यिकी विभाग की सराहना की। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल गणित और सांख्यिकी विभाग के डॉ. ओ.पी श्योराण व डॉ. विनय कुमार अहलावत ने विकसित किए, जोकि अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के क्षेत्र में यह मॉड्यूल महत्वपूर्ण योगदान देंगे। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएंगे, जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विशलेषण के लिए उपयोग किया जाता है डॉ. ओ.पी श्योराणगणित एवं सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी श्योराण ने सांख्यिकीय डाटा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह मॉड्यूल क्लाइंट-सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है, जो एक्टिव सर्वर पेज एएसपी और पायथन का उपयोग करके विकसित किए गए है। उन्होंने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल न केवल एक तकनीकी उपलब्धि है बल्कि वैश्विक अनुसंधान समुदाय के लिए एक व्यवहारिक उपकरण भी है। इस मॉड्यूल में लैटिस डिजाइन का विश्लेषण, बैक क्रॉस के साथ इनब्रेड लाइन्स डेटा के लिए ट्रिपल टेस्ट क्रॉस का विश्लेषण व असममित लैटिस डिजाइन का विश्लेषण शामिल है। ये उन परिदृश्यों में विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं, जहां संसाधन सीमित होते हैं और बड़ी संख्या में जीनोटाइप का परीक्षण किया गया है। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएंगे जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विशलेषण के लिए उपयोग किया जाता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा व डॉ. अजय जांगड़ा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	29.2.24	6	4-8

हकृवि को सांख्यिकी डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल को मिले 4 कॉपीराइट

सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण शोध कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान: प्रो. बीआर काम्बोज

सच कहूँ/संदीप सिंहमार।

हिसार। सांख्यिकीय डाटा के लिए तैयार ऑनलाइन मॉड्यूल नवाचार को बढ़ावा व वैश्विक शोध कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डाटा विश्लेषण के मॉड्यूल शोधार्थियों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम बनाएंगे। सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए निर्मित ऑनलाइन मॉड्यूल का प्रयोग दुनिया भर में अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के लिए किया जा सकता है, जो वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए अत्याधिक लाभदायक साबित होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। उन्होंने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार करने पर चार कॉपीराइट प्रदान किए गए है।

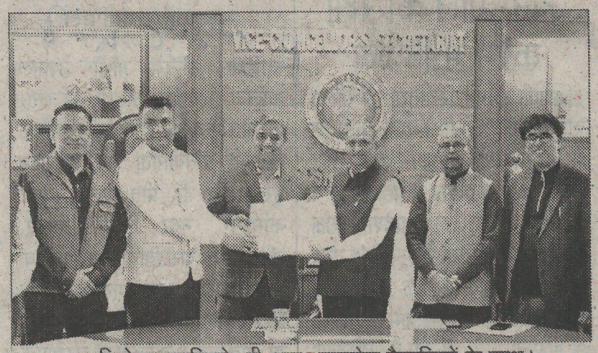

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

ये मॉड्यूल संवैधानिक अनुसंधान के व्यवहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए प्रजनन कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस उपलब्धि पर शामिल वैज्ञानिकों को बधाई दी। ऑनलाइन सांख्यिकीय विश्लेषण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित करने के लिए गणित और सांख्यिकी विभाग की सराहना की। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल गणित और सांख्यिकी विभाग के डॉ. ओ.पी श्योराण व डॉ. विनय कुमार अहलावत ने विकसित किए, जोकि अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के क्षेत्र में यह मॉड्यूल महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा व डॉ. अजय जांगड़ा मौजूद रहे।

156 देशों में उपयोग होती है यह तकनीक

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी श्योराण ने सांख्यिकीय डाटा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह मॉड्यूल क्लाइंट-सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है, जो एक्टिव सर्वर पेज एएसपी और पायथन का उपयोग करके विकसित किए गए है। उन्होंने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल न केवल एक तकनीकी उपलब्धि है बल्कि वैश्विक अनुसंधान समुदाय के लिए एक व्यवहारिक उपकरण भी है। इस मॉड्यूल में लैटिस डिजाइन का विश्लेषण, बैक क्रॉस के साथ इनब्रेड लाइन्स डेटा के लिए ट्रिपल टेस्ट क्रॉस का विश्लेषण व असममित लैटिस डिजाइन का विश्लेषण शामिल है। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएंगे जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विशलेषण के लिए उपयोग किया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	29.2.24	12	1-3

हकृवि को सांख्यिकी डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल को मिले चार कॉपीराइट

■ सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण के ऑनलाइन मोड्यूल का शोध कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सांख्यिकीय डाटा के लिए तैयार ऑनलाइन मॉड्यूल नवाचार को बढ़ावा व वैश्विक शोध कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डाटा विश्लेषण के मॉड्यूल शोधार्थियों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम बनाएंगे। सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए निर्मित ऑनलाइन मॉड्यूल का प्रयोग दुनिया भर में अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के लिए किया जा सकता है, जो वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए अत्याधिक लाभदायक साबित होगा। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। उन्होंने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार करने पर चार कॉपीराइट प्रदान किए गए है। ये मॉड्यूल संवैधानिक अनुसंधान के व्यवहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए प्रजनन कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस उपलब्धि पर शामिल वैज्ञानिकों को बधाई दी।

ऑनलाइन सांख्यिकीय विश्लेषण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित करने के लिए गणित और सांख्यिकी विभाग की सराहना की। डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल गणित और सांख्यिकी विभाग के डॉ. ओपी श्योराण व डॉ. विनय कुमार अहलावत ने विकसित किए, जो कि अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के क्षेत्र में यह मॉड्यूल महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	28.02.2024	--	--

सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण के ऑनलाइन मोड्यूल का शोध कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 28 फरवरी। सांख्यिकीय डाटा के लिए तैयार ऑनलाइन मॉड्यूल नवाचार को बढ़ावा व वैश्विक शोध कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डाटा विश्लेषण के मॉड्यूल शोधार्थियों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम बनाएंगे। सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए निर्मित ऑनलाइन मॉड्यूल का प्रयोग दुनिया भर में अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के लिए किया जा सकता है, जो वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए अत्याधिक लाभदायक साबित होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। उन्होंने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार करने पर चार कॉपीराइट प्रदान किए गए है। ये मॉड्यूल संवैधानिक अनुसंधान के व्यवहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए प्रजनन कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस उपलब्धि पर शामिल वैज्ञानिकों को बधाई दी। ऑनलाइन सांख्यिकीय विश्लेषण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित करने के लिए गणित और सांख्यिकी विभाग की सराहना की। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल गणित और सांख्यिकी विभाग के डॉ. ओ.पी श्योराण व डॉ. विनय कुमार अहलावत ने विकसित किए, जोकि अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के क्षेत्र में यह मॉड्यूल महत्वपूर्ण योगदान देंगे। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएंगे, जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विशलेषण के लिए उपयोग किया जाता है। गणित एवं सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी श्योराण ने सांख्यिकीय डाटा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह मॉड्यूल क्लाइंट-सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है, जो एक्टिव सर्वर पेज एएसपी और पायथन का उपयोग करके विकसित किए गए है। उन्होंने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल वैश्विक अनुसंधान समुदाय के लिए एक व्यवहारिक उपकरण भी है। इस मॉड्यूल में लैटिस डिजाइन का विश्लेषण, बैक क्रॉस के साथ इनब्रेड लाइन्स डेटा के लिए ट्रिपल टेस्ट क्रॉस का विश्लेषण व असममित लैटिस डिजाइन का विश्लेषण शामिल है। ये उन परिदृश्यों में विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं, जहां संसाधन सीमित होते हैं और बड़ी संख्या में जीनोटाइप का परीक्षण किया गया है। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएंगे जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विशलेषण के लिए उपयोग किया जाता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा व डॉ. अजय जांगड़ा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	28.02.2024	--	--

साख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण के ऑनलाइन मोड्यूल का शोध कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। साख्यिकीय डाटा के लिए तैयार ऑनलाइन मॉड्यूल नवाचार को बढ़ावा व वैश्विक शोध कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डाटा विश्लेषण के मॉड्यूल शोधार्थियों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम बनाएंगे। साख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए निर्मित ऑनलाइन मॉड्यूल का प्रयोग दुनिया भर में अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के लिए किया जा सकता है, जो वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए अत्याधिक लभदायक साबित होगा।

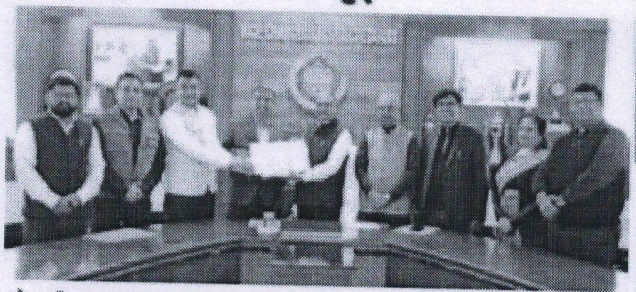

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। उन्होंने बताया कि गणित और साख्यिकी विभाग द्वारा साख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार करने पर चार कॉपीराइट प्रदान किए गए है। ये मॉड्यूल संवैधानिक अनुसंधान के व्यवहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए प्रजनन कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस उपलब्धि पर शामिल वैज्ञानिकों को बधाई दी। ऑनलाइन साख्यिकीय विश्लेषण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित करने के लिए गणित और साख्यिकी विभाग की सराहना की। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल गणित और साख्यिकी विभाग के डॉ. ओ.पी श्योराण व डॉ. विनय कुमार अहलावत ने विकसित किए, जोकि अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के क्षेत्र में यह मॉड्यूल महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. मंजू महता, म डॉ. संदीप आर्य, कपिल अरोड़ा व डॉ. अजय जांगड़ा मौजूद रहे।

ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएगे : डॉ. ओ.पी श्योराण

गणित एवं साख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी श्योराण ने साख्यिकीय डाटा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह मॉड्यूल क्लाइंट-सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है, जो एक्टिव सर्वर पेज एएसपी और पायथन का उपयोग करके विकसित किए गए है। उन्होंने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल न केवल एक तकनीकी उपलब्धि है बल्कि वैश्विक अनुसंधान समुदाय के लिए एक व्यवहारिक उपकरण भी है। इस मॉड्यूल में लैटिस डिजाइन का विश्लेषण, बैक क्रॉस के साथ इनब्रेड लाइन्स डेटा के लिए ट्रिपल टेस्ट क्रॉस का विश्लेषण व असमनित लैटिस डिजाइन का विश्लेषण शामिल है। ये उन परिदृश्यों में विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं, जहां संसाधन सीमित होते हैं और बड़ी संख्या में जीनोटाइप का परीक्षण किया गया है। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएगे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	28.02.2024	--	--

चिराग टाइम्स   फरवरी 2024

सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण के ऑनलाइन मोड्यूल का शोध कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विशलेषण के लिए उपयोग किया जाता है : डॉ. ओ.पी श्योराण

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार। सांख्यिकीय डाटा के लिए तैयार ऑनलाइन मॉड्यूल नवाचार को बढ़ावा व वैश्विक शोध कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डाटा विश्लेषण के मॉड्यूल शोधार्थियों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम बनाएंगे। सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए निर्मित ऑनलाइन मॉड्यूल का प्रयोग दुनिया भर में अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के लिए किया जा सकता है, जो वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए अत्याधिक लाभदायक साबित होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। उन्होंने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकीय डाटा के विश्लेषण के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल तैयार करने पर चार कॉपीराइट प्रदान किए गए हैं। ये मॉड्यूल संवैधानिक अनुसंधान के व्यवहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए प्रजनन कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस उपलब्धि पर शामिल वैज्ञानिकों को बधाई दी। ऑनलाइन सांख्यिकीय विश्लेषण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित करने के लिए गणित और सांख्यिकी विभाग की सराहना की।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल गणित और सांख्यिकी विभाग के डॉ. ओ.पी श्योराण व डॉ. विनय कुमार अहलावत ने विकसित किए, जोकि अनुसंधान डाटा के विश्लेषण के क्षेत्र में यह मॉड्यूल महत्वपूर्ण योगदान देंगे। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएंगे,

जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विशलेषण के लिए उपयोग किया जाता है : डॉ. ओ.पी श्योराण

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी श्योराण ने सांख्यिकीय डाटा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह मॉड्यूल क्लाईंट-सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है, जो एक्टिव सर्वर पेज एएसपी और पायथन का उपयोग करके विकसित किए गए है। उन्होंने कहा कि ये ऑनलाइन मॉड्यूल न केवल एक तकनीकी उपलब्धि है बल्कि वैश्विक अनुसंधान समुदाय के लिए एक व्यवहारिक उपकरण भी है।

इस मॉड्यूल में लैटिस डिजाइन का विश्लेषण, बैक क्रॉस के साथ इनब्रेड लाइन्स डेटा के लिए ट्रिपल टेस्ट क्रॉस का विश्लेषण व असममित लैटिस डिजाइन का विश्लेषण शामिल है। ये उन परिदृश्यों में विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं, जहां संसाधन सीमित होते हैं और बड़ी संख्या में जीनोटाइप का परीक्षण किया गया है। ऑनलाइन मॉड्यूल ओपीस्टैट सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध किए जाएंगे जिसका विश्व स्तर पर 156 देशों में डाटा विशलेषण के लिए उपयोग किया जाता है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा व डॉ. अजय जांगड़ा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	28.02.2024	--	--

हकृवि की डब्ल्यू एच 1270 से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : प्रो. बी. आर. काम्बोज

गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि ने किया चार कंपनियों के साथ समझौता

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियों जैसे पीला रतवा व भूरा रतवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी, सुपर सीड्स, हिसार, यमुना सीड्स, ईंटी व गोपाल सीड्स फार्म, मानसा से समझौता किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगेती बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है। कुलपति ने कहा कि यह वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के केंद्रीय खाद्यान्न भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा है और फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है।

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता, अभी तक हो चुके हैं कुल 35 समझौते

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाईब्रिड सीड्स कंपनी की ओर से नाम सिंह और प्रबंधक महावीर, सुपर सीड्स, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीड्स, ईंटी के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीड्स फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

डब्ल्यू एच 1270 की विशेषताएं

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालियां निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सूक्ष्म तत्वों की कमी से झंडा पत्ता सेल हो रहा है व टेढ़ा-मुड़ा बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैग्नीज तत्व की कमी के लक्षण है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त स्थिति में वे 500 ग्राम मैग्नीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें। इससे बालियां सही ढंग से निकलने लग जाएगी। यदि उसके बाद भी समस्या ज्यों की त्यों रहती है तो एक सप्ताह के बाद पुनः मैग्नीज सल्फेट का छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	29.2.24	4	6-8

दैनिक भास्कर

सफेद मक्खी नींबू का रस चूसकर पहुंचाती है हानि, फूल खिलने से पहले छिड़कें कीटनाशक

नींबू जाति के सभी पौधों पर भी तैयार घोल को छिड़कें तो अधिक लाभ होगा

भास्कर न्यूज | हिसार

सफेद मक्खी नींबू का रस चूसकर बहुत हानि पहुंचाती हैं। सुरंगी कीट नए पत्तों पर टेड़ी-मेढ़ी चमकीली लाइन बना देता है, जिससे पत्ते पूरी तरह मुड़ जाते हैं। नए फल कमजोर होने के साथ-साथ कम भी लगते हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि कीटों की रोकथाम के लिए फूल खिलने से पहले नया फुटाव आने पर 625 मिली. डाइमिथोएट, 30 ईसी. या 500 मिली. न्यूवाक्रान मोनोसिल 36 डब्ल्यूएससी. को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। इसे नींबू जाति के सभी पौधों तथा बाड़ की झाड़ियों पर भी छिड़कें तो अधिक लाभ होगा।

उन्होंने बताया कि छाल खाने वाली सूंडी अपने मल व लक्कड़ के बुरादे से एक मोटी झिल्ली-सी बनाकर इसके नीचे तनों व टहनियों की छाल खाती है। वह तनों में सुराख भी बनाती है। इसकी रोकथाम के लिए रूई के फोहों को दवाई के घोल में डुबोकर किसी धातु की तार की सहायता से कीड़ों के प्रत्येक सुराख के अंदर डाल दें और सुराख को गीली मिट्टी से ढक दें। 10 लीटर पानी में घोल बनाने के लिए 10 मिली. फैनिट्रोथियान फोलिथियानसुमिथियान 50 ईसी. को घोलकर 5 मिली. घोल प्रति सुराख के हिसाब से डालें। इसके अतिरिक्त 10 प्रतिशत मिट्टी के तेल घोल 1 लीटर मिट्टी का तेल, 100 ग्राम साबुन और 9 लीटर पानी भी लगा सकते हैं। वैज्ञानिक डॉ. राजपाल दलाल ने बताया कि मोटल लीफ से ग्रस्त संतरा, माल्टा, नींबू आदि पौधों के पत्ते की नसों के दोनों ओर की जगह सफेद हो जाती है, इसके लिए 500 मिग्रा. प्लान्टामाइसिन और 2 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराईड को प्रति लीटर पानी में घोल कर फरवरी में छिड़काव करें।

टहनीमार रोग पर कॉपर ऑक्सी क्लोराइड छिड़कें

संतरा व माल्टा में कोढ़ से पत्तों, टहनियों और फलों पर गहरे-भूरे रंग के खुरदरे धब्बे पड़ जाते हैं। टहनीमार रोग से टहनियां ऊपर से सूखनी शुरू हो जाती हैं, कभी-कभी बड़ी टहनियां भी सूख जाती हैं। पत्तों पर दाग पड़ जाते हैं और फल व तने भी गल जाते हैं। इन बीमारियों के नियंत्रण के लिए रोगी टहनियों की काट-छांट करें और इसके बाद 0.3 प्रतिशत कॉपर ऑक्सी क्लोराइड का छिड़काव भी करें।

▪ सूत्रकृमि भी पहुंचाते हैं हानि: सूत्रकृमि भी पौधों को भारी हानि पहुंचाते हैं व इनकी रोकथाम के लिए कार्बोफ्यूरान फ्यूराडान 3 जी. 13 ग्राम प्रति वर्ग मीटर या नीम की खली 1 किग्रा. प्रति पौधा व 7 ग्राम कार्बोफ्यूरान 3जी के दाने प्रति वर्ग मी. की दर से तने के आस-पास के 9 वर्गमीटर क्षेत्र में मिट्टी में मिलाएं। दवा डालने के तुरंत बाद प्रचुर मात्रा में पानी दें। इसका प्रयोग फूल आने से पहले ही करें। दवाई डालने से पहले जमीन को भुरभुरा कर लें। ये बहुत जहरीली दवाएं हैं।